चित्र भरत मिलाप ६′ x ८′

भरत चित्रकूट पहुँचे। राम ने उन्हें गले लगाया। शोक विव्हल भरत बोले – ''भैया, अयोध्या चलिए।'' राम ने कहा – ''मैं अयोध्या अवश्य आऊँगा, किन्तु चौदह साल बाद। तब तक तो तुम्हें ही अयोध्या का राज–काज संभालना है।'' भरत के दुःख की सीमा न रही। ऐसे सत्तामोह–मुक्त एवं कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति ही लोक हितैषी शासक सिद्ध होते हैं।

Ram embraced Bharat when the latter arrived in Chitrakoot. An aggrieved Bharat requested Ram to return to Ayodhya. Ram said, " i will return to Ayodhya only after the fourteen years are over. Till then, you will have to reign in Ayodhya." Bharat was disheartened. it was evidence that only duty-bound people can be honest leaders and successful rulers.